

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर कैम्प उज्जैन

प्रकरण क्र०

12011 निगरानी R-1248-I/2011

- :१: रामप्रसाद पिता धांसीराम आयु ५५ साल
:२: शांतिलाल पिता धांसीराम उम्र ५२ साल
जाति तैली निवासी ग्राम रणावदा तेह०बडनग
जिला उज्जैन --- आवेदकगण

विरुद्ध

- :१: महेन्द्रकुमारी पति शम्भूसिंह आयु ६० साल
जाति राजपूत नि० करवड तेह० पेटलावद जिला
फाबुआ
:२: कमल किशोर पिता शम्भूसिंह आयु ४० वर्ष
जाति राजपूत नि० करवड तेह० पेटलावद
जिला फाबुआ ---- अनावेदकगण

वठव पुनरीक्षण आवेदनपत्र अन्तर्गत धाग ५० म०रा०सं०

न्यायालय अपर आयुक्त उज्जैन जिला उज्जैन के प्रका
क्र० ४२०।०६-१० अपील मे पारित आदेश दिनांक
२६-६-२०११ से असंतुष्ट होकर

माननीय महोदय,

आवेदक की ओर से पुनरीक्षण आवेदन-पत्र निम्नलि

सविनय प्रस्तुत है :-

:१: यह कि योग्य अधिनस्थ न्यायालय का आलोच्य आदेश दिनांक
२६-६-११ विधी व विधान के विपरीत होकर निरस्त किये जाने
योग्य है ।

:२: यह कि योग्य अधिनस्थ न्यायालय ने अपने आलोच्य आदेश
मे अधिनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अपील अवधि
बाह्य होने से निरस्त की गई थी उसके विरुद्ध अपील प्रस्तुत हुई थी,
जिसे योग्य अधिनस्थ न्यायालय अपर आयुक्त महो० ने अपील को
दोत्राधिकार से बाहर जाकर वादग्रस्त आदेश तेहसील न्यायालय के
आदेश को भी निरस्त कर दिया और पुनः पदाकारो को अधिनस्थ

श्री ७५-६४. २०११
आदेश-२०११
अप-अप-उज्जैन
20-7-11

पुनरीक्षण ।

३३
३३

३-४-११

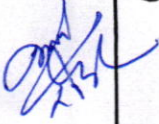
Mail

अधीनस्थ

R 1248-2/2011 उच्च न्यायालय

श्री/पौ/१५

आवेदक द्वारा श्री एम. एम. शर्मा
अभिभाषण उपस्थित। उनके द्वारा बताया
गया कि वे प्रकरण आगे चलाना ^{नहीं} चाहते
हैं। अतः प्रकरण नहीं चलाना चाहते हैं।
आवेदक अभिभाषण के अनुरोध पर
प्रकरण समाप्त किया जाता है।




अदालत

25/8

[क. प. उ.]